नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

....

हिंदी विश्वविद्यालय में 'बालरंग' कार्यशाला का शानदार उदघाटन

हसते खेलते जीवन का आनंद लें

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने बच्चों को दिया संदेश

वर्धा, 10 जून 2017: बालरंग कार्यशाला के उदघाटन पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय

हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने बच्चों को संदेश देते कहा कि हसते खेलते हुए जीवन का आनंद लेना चाहिए। अपनी प्रतिभाओं को निखारने के लिए शिक्षा के अलावा नाचना, गाना, मस्ती करना भी जीवन को सम्पन्न बनाता है।

विश्वविद्यालय का जनसंपर्क कार्यालय, प्रदर्शनकारी कला विभाग एवं युवक बिरादरी तथा नीलकंठ अकादमी ऑफ सोशल एक्टिविटी, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार शनिवार को 12 दिवसीय **'बालरंग'** नाट्य, नृत्य एवं कला

प्रशिक्षण कार्यशाला का शानदान उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र और श्रीमती

माधुरी मिश्र ने फीता काटकर किया। कार्यशाला में 50 से अधिक बच्चे शामिल हुए हैं। कार्यशाला के प्रति बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पांच से 15 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों ने शुरूआत में ही काफी मस्ती की और नृत्य, नाटक और कला का भरपूर आनंद

लिया। बच्चों को नाटक, नृत्य और चित्रकला का प्रशिक्षण सुरभि विप्लव, मेघा देशमुख,

मेघा आचार्य, विष्णु कुमार और शिव कुमार दे रहे है। कार्यक्रम का संचालन आयोजक बी. एस. मिरगे ने किया । इस अवसर पर प्रो. अरबिंद कुमार झा, अशोक मिश्र, डॉ. आनंद मंडित मलयज, शैलेश मरजी

कदम, डॉ. अमित राय, अमित विश्वास, राहुल कासारे, प्रगती मिरगे, हेमा ठाकरे, शिवम घाटे, प्रभाकर घाटे, श्रीमती घाटे सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यशाला की सफलता हेतु राजदीप राठोड, डॉ. हिमांशु नारायण, अश्विन श्रीवास, दीपक साल्वे, पदमाकर सुरजुसे, विलास चौधरी, वैशाली खडसे, अमित मिश्रा, युवक बिरादरी के कार्यकर्ता प्रयास कर रहे हैं ।